हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–85 : जौनपुर, शनिवार 26 नवम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

उच्च शिक्षा नीति लाएगी उत्तर प्रदेश सरकार : हर जिले में खुलेंगे नए संस्थान

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को आधुनिक व रोजगारपरक बनाने के लिए उसका विस्तार किया जाएगा। इसके लिए सरकार उच्च शिक्षा नीति लाएगी। इनमें निजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए तमाम सुविधाएं दी जाएंगी। जिससे पिछड़े व असेवित क्षेत्रों के साथ ही हर जिले में उच्च शिक्षण संस्थान खुलेंगे और विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प भी बढ़ेंगे। उच्च शिक्षा विभाग इस बाबत एक कॉन्क्लेव आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। शुक्रवार को इस संबंध में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व विशेषज्ञों संग शासन स्तर पर विचार किया गया। अधिकारियों के मुताबिक पहले औद्योगिक नीति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निवेशकों को आकर्षित करने की व्यवस्था होती थी लेकिन अब इसे अलग से तैयार किया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकता प्रदेश की अर्थव्यवस्था दस खरब डॉलर की बनाने की है। ऐसे में युवाओं को बेहतर उच्च शिक्षा देने के लिए निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने की तैयारी है। कॉन्क्लेव में प्रदेश ही नहीं देश–विदेश के निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। सरकार इसमें निवेशकों से युवाओं के कौशल विकास व उच्च शिक्षा देने के साथ ही उनको रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की अपेक्षाएं बताएगी। वहीं निवेशकों से पूछेगी कि उनको सरकार से क्या उम्मीदें हैं। पीपीपी मॉडल पर शिक्षण संस्था खोलने के विकल्प पर भी चर्चा होगी। विदेशी विश्वविद्यालयों को बुलाएंगे प्रदेश में विदेशी विश्वविद्यालयों को भी विस्तार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कोशिश होगी कि बाहर के विश्वविद्यालय

व उच्च शिक्षण संस्थान यहां के विवि व संस्थान से शैक्षिक आदान–प्रदान के लिए जुड़ें। इसके लिए एमओयू से लेकर सभी विकल्पों पर चर्चा होगी। छात्रों को पढ़ाई के लिए एक–दूसरे के यहां भेजने के साथ ही विभिन्न विधाओं में दक्ष करने का प्रयास होगा। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा को भी जोड़ेंगे यदि कोई निवेशक प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक के लिए संस्थान खोलना चाहता है तो उसे इसके लिए सुविधाएं दी जाएंगी। तकनीकी शिक्षा को भी इसमें जोड़ा जाएगा। उच्च शिक्षा नीति में युवाओं को औद्योगिक जरूरतों के मुताबिक दक्ष करने पर जोर दिया जाएगा। जिससे प्रशिक्षित युवाओं को आसानी से रोजगार मिल सके। वहीं वे अपना उद्यम भी शुरू कर सकें। इसके लिए विषय विशेष का प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं को संस्थान खोलने के लिए अवसर दिए जाएंगे। वर्तमान में 7300 निजी उच्च शिक्षण संस्थान वर्तमान में प्रदेश में लगभग 7900 उच्च शिक्षण संस्थान हैं। इनमें से 7300 निजी संस्थान हैं। इसी तरह कुल 50 विश्वविद्यालयों में से 30 निजी विवि हैं। ज्यादातर निजी संस्थाएं नोएडा व आसपास के क्षेत्रों में है।

रेलवे बोर्ड नई दिल्ली से सदस्य (ऑपरेटिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट) का लखनऊ हुआ आगमन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल के सुप्रसिद्ध चारबाग स्टेशन सहित मंडल के अन्य रेल स्टेशनों तथा स्थलों पर वर्तमान समय में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए रेलवे बोर्ड,नई दिल्ली से सदस्य (ऑपरेशनस एंड बिजनेस डेवलपमेंट) श्री संजय कुमार मोहंती का लखनऊ आगमन हुआ। अपने आज के इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के लखनऊ स्थित चारबाग स्टेशन पर पहुंचकर यहाँ पर वर्तमान में रेल द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की प्रगति को गहनता से परखा तथा इसके अतिरिक्त मंडल के अन्य रेलवे स्टेशनों पर निर्माणाधीन कार्यों तथा विकास परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए इन समस्त कार्यों की समीक्षा की तथा इन सभी कार्यों को निर्धारित अवधि में गुणवत्ता के उच्च मानकों के साथ संपन्न करने की बात कही ।उन्होंने लखनऊ स्टेशन पर यार्ड री–मॉडलिंग,वॉशेबल एप्रेन का सुधार कार्य ,स्टेशन भवन की संरचनात्मक संरचना , भावी योजनाओं ,यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में मंडल द्वारा किये जाने वाले प्रयास एवं स्टेशन पर प्रगतिशील अन्य कार्यों का जायजा लिया तथा समस्त कार्यों की वस्तुस्थिति से अवगत होते हुए इस संबंध में अपने आवश्यक सुझाव एवं निर्देश पारित किए। सदस्य (ऑपरेटिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट) इस अवसर पर मंडल कार्यालय के सभागार में आयोजित एक बैठक में भी सम्मिलित हुए। इस बैठक में सर्वप्रथम संजय कुमार मोहंती द्वारा, मंडल रेल प्रबंधक,उत्तर रेलवे , लखनऊ सुरेश कुमार सपरा एवं मंडल रेल प्रबंधक,पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ आदित्य कुमार की उपस्थिति में उत्तर एवं

पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को भारत के संविधान की उद्देशिका का पठन कराया गया ।इस सभा में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने राष्ट्र की चहुँमुखी प्रगति में रेल के योगदान की चर्चा करते हुए लखनऊ मंडल में चल रही उत्तर रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं, माल यातायात आय, यात्री परिवहन एवं यात्री सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संरक्षा एवं समयपालन पर विशेष बल दिया।उन्होंने उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल के चारबाग स्टेशन की ऐतिहासिक एवं राजनैतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए स्टेशन की आधारभूत संरचना,भौगोलिक क्षेत्र, ट्रेन परिचालन, महत्वपूर्ण गतिविधियां,राजस्व अर्जन, कर्मचारी कल्याण एवं विकासपरक परियोजनाओं जैसे अनेक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की साथ ही इस बैठक में मंडल के विकास से संबंधित प्रमुख परियोजनाओं पर कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया किए जाने की बात कही तथा स्टेशन विकास, यात्री परिवहन आदि विकासपरक परियोजनाओं पर भी प्रमुख रूप से चर्चा की ।उन्होंने अधिकारियों को और अधिक कुशलता एवं क्षमता के साथ अपने को उन्नत करके व्यावसायिक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने की बात को कहा एवं कर्मचारियों को भी अपने को बहुआयामी बनाकर अपनी कार्यक्षमता में वृद्धि करने की अपेक्षा की तथा रेल राजस्व बढ़ाने के लिए 'मास ट्रांसपोर्टेशन' में रेलवे की अहम भूमिका का उल्लेख करते हुए माल ढुलाई को अधिकतम बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता बताई।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

थाना समाधान दिवस में अफसरों ने सुनी फरियादियों की शिकायत

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : कोतवाली पिहानी मे शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। एसडीएम शाहाबाद धीरेंद्र श्रीवास्तव व सीओ शिल्पा कुमारी ने थाना समाधान में शिरकत की। पिहानी के अतिरिक्त कोतवाल पीपी सिंह व उपनिरीक्षक मोहम्मद अजीज

भी मौजूद रहे।इसमें पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस– प्रशासनिक अफसरों ने शिकायत सुनकर निस्तारण कराया। सुनवाई के दौरान सर्वाधिक जमीन से संबंधित मामले पहुंचे। अधिकारियों ने मातहतों को प्राप्त शिकायती पत्रों का निस्तारण करने का निर्देश दिया। शिकायतों के निस्तारण में न बरतें कोताही––सीओ शिल्पा कुमारी सीओ शिल्पा कुमारी ने कोतवाली पिहानी में शनिवार को थाना समाधान दिवस मे फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं। इनमें कुछ शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया, जबकि अन्य मामलों में पुलिस व राजस्व की टीम को मौके पर जाकर तीन दिन में निस्तारण का निर्देश दिया गया।कहा कि भूमि संबंधित सभी मामलों का पुलिस व राजस्व टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराए, जिससे दोनों पक्षों के बीच कोई विवाद न रह जाए। शिकायतों का निस्तारण कराने में कोई कोताही न बरती जाए अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर हेड कांस्टेबल रमेश सिंह, राजेश कुमार, राज कपूर, ओमवीर कस्बा इंचार्ज रजनीश त्रिपाठी समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कौन होगा आगरा प्रयागराज और गाजियाबाद का पहला पुलिस आयुक्त : विभाग में बढी सरगर्मियां

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में तीन शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने के बाद अब यहां का पहला पुलिस आयुक्त कौन होगा, इसे लेकर सरगर्मियां बढ़ गई है। लोग अपने–अपने हिसाब से अंदाजा लगा रहे हैं कि नए पुलिस कमिश्नरेट का पहला आयुक्त किसे बनाया जाएगा। जानकार बता रहे हैं कि नए गठित तीनों पुलिस कमिश्नरेट पूर्व के चार पुलिस कमिश्नरेट से छोटे बनाए गए हैं। जहां लखनऊ में संयुक्त पुलिस आयुक्त के दो पद, कानपुर, वाराणसी और नोएडा में अपर पुलिस आयुक्त के दो–दो पद सृजित हैं, वहीं नई कमिश्नरेट के लिए एक–एक ही अपर पुलिस आयुक्त के पद सृजन का प्रस्ताव है। नए कमिश्नरेट में 3–3 जोन होंगे। यहां डीसीपी की भी संख्या 3–3 ही रहेगी। पूर्व में गठित पुलिस कमिश्नरेट में जोन के अतिरिक्त यातायात, महिला सुरक्षा और प्रोटोकाल जैसे पदों के लिए अलग–अलग डीसीपी के पदों का सृजन किया गया था। मौजूदा समय में पहले से ही एसपी रैंक के चार अधिकारी तैनात हैं। कमिश्नरेट के गठन के बाद इनकी संख्या पांच हो जाएगी। गाजियाबाद में जो चार आईपीएस अधिकारी तैनात हैं उसमें 2009 बैच के एसएसपी मुनिराज जी, 2017 बैच की दीक्षा शर्मा, निपुन अग्रवाल और इराज राजा सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात हैं। लखनऊ में इसी 2017 बैच के दो अफसर एसएम कासिम आब्दी और प्राची सिंह पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात हैं। इसी तरह आगरा में भी एसपी रैंक के चार अफसर मौजूदा समय में तैनात हैं। इसमें 2010 बैच के आईपीएस प्रभाकर चौधारी बतौर एसएसपी तैनात हैं। जबकि सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में सत्यजीत गुप्ता, विकास कुमार और सोमेंद्र मीना की तैनाती है। वहीं,

प्रयागराज में मौजूदा समय में एसपी रैंक के तीन अफसरों की तैनाती है। इसमें 2011 बैच के शैलेश कुमार पांडेय एसएसपी के रूप में और सौरभ दीक्षित और अभिषेक कुमार अग्रवाल सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात हैं। डीसीपी के पद पर 2015, 2016 और 2017 के अफसरों की हो सकती है तैनाती नई कमिश्नरेट में डीसीपी के 9 पद सृजित किए जा रहे हैं। इन पदों पर 2015, 2016 और 2017 बैच के अफसरों की तैनाती की जा सकती है। इसके पीछे की वजह यह बताई जा रही है कि यहां अपर पुलिस आयुक्त का पद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का होगा। ऐसे में उससे जूनियर अफसरों को ही डीसीपी के रूप में तैनाती दी जाएगी। क्या इनको भी मिलेगी तैनाती मौजूदा समय में 10 आईपीएस अफसर प्रतीक्षारत हैं। इसमें एडीजी रैंक के चार अफसर शामिल हैं। कानपुर पुलिस आयुक्त के पद से हटाए गए विजय सिंह मीणा, लखनऊ पुलिस आयुक्त के पद से हटे ध्रुवकांत ठाकुर, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे मुथा अशोक जैन और छुट्टी से लौटे जीके गोस्वामी प्रतीक्षारत हैं। इसके अलावा निलंबन के बाद बहाल किए गए डीआईजी अनंत देव, एसपी पवन कुमार, उन्नाव से हटाए गए दिनेश त्रिपाठी, गाजीपुर से हटाए गए रोहन बोत्रे और मुरादाबाद से हटाए गए हेमंत कुटियाल का नाम शामिल है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इन अफसरों की तैनाती भी इसी सूची में हो सकती है।

संविधान दिवस : जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में संविधान की प्रस्तावना का किया गया वाचन

जौनपुर सू.वि. : सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक विक्रम ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 शासन न्याय अनुभाग एवं उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार ''संविधान दिवस'' के अवसर पर 26 नवम्बर 2022 को माननीया जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर, श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में भारतीय संविधान की प्रस्तावना की पाठन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर न्यायिक अधिष्ठान के समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। माननीय जनपद न्यायाधीश महोदया द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन किया गया, जिसे उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा दोहराया गया। इस अवसर पर माननीया जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि आज जरूरत इस बात है कि जन–जन तक संविधान की जानकारी उससे प्राप्त मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में भारतवर्ष के हर नागरिक को जानकारी हो तब जाकर आने वाले दिनों में संविधान दिवस का यह दिन एक उत्सव के रूप में मनाये जाने कि परिकल्पना साकार होगी। हम सभी लोग भारतीय संविधान के द्वारा यानि विधि के शासन के द्वारा शासित होते है, इसका सम्मान हमारा कर्तव्य है। तदोपरान्त सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर विवेक विक्रम तथा अपर सिविल जज जू0डि0 न्यू कोर्ट तृतीय, जौनपुर प्रवीण कुमार यादव द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में ''मान्यवर कांशीराम जी इण्टर कालेज शीतलां चौंकिया, जौनपुर में''संविधान दिवस'' के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का पाठन कराया गया और उपस्थित बच्चों एवं नागरिकों को हमारे भारतीय संविधान को अपनाए जाने की याद में हर साल 26 नवम्बर को देश में संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा भारतीय संवधिन को 26 नवम्बर को ही अपनाया गया था। वही केन्द्र

सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 19 नवम्बर 2015 को घोषणा की थी कि 26 नवम्बर को हर साल संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाएगा। तहसीलदार सदर पवन कुमार सिंह द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर बताया कि संविधान दिवस कोई छुट्टी का दिन नहीं है, बल्कि इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों और शिक्षा संस्थानों में तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्कूलों एवं कालेजों की बात करें तो संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न भाषणों, संवादों, वाद–विवाद प्रतियोगिता, क्विज आदि का आयोजन किया जाता है ताकि छात्र–छात्राओं में हमारे संविधान के प्रति जागरूकता एवं समझ को बढ़ावा मिले। पैनल अधिवक्ता देवेन्द्र कुमार यादव द्वारा संविधान के मौलिक अधिकारों तथा मूल कर्तव्यों के बारे में बताया और साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करायी गयी। प्रबन्धक डॉ0 राजीव रत्न मौर्य ने बताया कि भारत का संविधान अपनाने के उपलक्ष्य में हमारे देश में हर साल 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत की संविधान सभा में 26 नवम्बर को भारत के संविधान को अपनाया था जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। नागरिकों के बीच संविधान के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए हर साल 26 नवम्बर को ''संविधान दिवस'' के रूप में मनाने के लिए भारत सरकार के निर्णय को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 19 नवम्बर 2015 को अधिसूचित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संतोष कुमार, अध्यापकगण, बच्चें व अन्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनपद के सभी तहसीलों में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान के प्रस्तावना का पाठन किया गया।

एसबीआई आपके द्वार : स्वयं सहायता समूह ऋण महामेला का आरा जौनपुर में किया गया आयोजन

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : अर्न्तगत भारतीय स्टेट बैंक द्वारा यूपीएसआरएलएम के सहयोग से जनपद की आरा शाखा में स्वयं सहायता समूह के बचत खातों को खोलनें एवं सीसीएल हेतु आज एक विशाल कैंप का आयोजन आरा बैक के सामने किया गया। जिसमें भारतीय स्टेट बैंक,

के क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार सिंह, आरबीओ–6 जौनपुर, विभास श्रीवास्तव सहायक महाप्रबंधक , गुलाब चन्द्र सरोज डीएमएम यूपीएसआरएलएम एवं शिवम वर्मा आरा शाखा के प्रबंधक द्वारा 22 स्वयं सहायता समूह को ऋण स्वीकृत पत्र मौके पर वितरित किए गये। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रदेश में महिला सशक्तिकरण हेतु स्वयं सहायता समूह को वित्तीय सहायता देने हेतु लखनऊ मण्डल में 26 एवं 27 नवम्बर 2022 को दो दिवसीय कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस बात की जानकारी भी कार्यकंम में लोगो को दी गयी।बैक द्वारा अयोजित इस कायक्रम में काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे, और इस काग्रक्रम को सफल बनाने बैंक के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा, वही जनता द्वारा वर्तमान शाखा प्रबन्धक शिवम वर्मा के कार्यो की प्रशंशा करते भी देखा गया।

मदरसों का सर्वे किसी भी तरह की जांच नहीं : चेयरमैन ने प्रबंधनों के नाम जारी किया संदेश

लखनऊ ब्यूरो : मदरसा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा है कि मदरसों का सर्वे किसी भी प्रकार की जांच नहीं थी। कोई भी मदरसा फर्जी, नकली या अवैध नहीं है। सभी मदरसा प्रबंधन को भेजे गए संदेश में उन्होंने कहा है कि सरकारें समय–समय सर्वे कराती हैं और जो डाटा प्राप्त होता है उसके जरिये योजनाओं को बनाया जाता है। सर्वे की चर्चा इसलिए ज्यादा हो गई क्योंकि पूर्व की सरकारों का मदरसों की सुधार की दिशा में कोई कार्य नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि मदरसों का जो सर्वे हुआ है उसे सामान्य सर्वे समझा जाए, यह किसी भी प्रकार की जांच नहीं थी। मदरसा शिक्षा परिषद की संस्तुति पर प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सर्वे का ऐतिहासिक कार्य तमाम मदरसा संचालकों और प्रबंधकों के सहयोग से पूरा हुआ है। इसके लिए उनकी जितनी भी तारीफ की जाए कम होगी।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

अगर चाहते हो कि खुदा मिले, तो वही करो जिससे दुआ मिले।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

पाकिस्तानी सेना ही सत्ता का केंद्र

पाकिस्तानी सेना जोर देकर कहती है कि उनके देश में चल रहे राजनीतिक नाटक पर उसकी तटस्थ स्थिति है, हालांकि पाकिस्तान में एक 'किंगमेकर' के रूप में उसकी भूमिका सर्वविदित है। लिहाजा नए सैन्य प्रमुख की नियुक्ति से कोई बदलाव नहीं आने वाला है।

पाकिस्तान के नए सैन्य प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आसिम मुनीर द्वारा एक दिसंबर को निवर्तमान सैन्य प्रमुख जनरल कमर बाजवा से कार्यभार ग्रहण करने के बाद भी इमरान खान और उनकी पूर्व संरक्षक–पाकिस्तानी सेना, के बीच टकराव जारी रहेगा। जनरल मुनीर अपने दो पूर्ववर्तियों जनरल बाजवा और जनरल राहील शरीफ की तरह एक पैदल सैनिक हैं। वह आईएसआई के पूर्व महानिदेशक भी हैं, जैसा कि उनके ये दोनों पूर्ववर्ती नहीं थे, जबकि जनरल कयानी थे।

इसका मतलब है कि वह बाजवा के काफी करीब हैं और पाकिस्तान के 'डीप स्टेट' (समानांतर सत्ता) की खुफिया जानकारियों से भी लैस रहे हैं। पाकिस्तान में सत्ता की कमान परोक्ष रूप से सैन्य प्रमुख के हाथों में होती है, लिहाजा नए सैन्य प्रमुख की नियुक्ति को लेकर उत्सकुता रहती है, क्योंकि पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति और पड़ोसी देशों (आमतौर पर भारत तथा पाकिस्तान) और वैश्विक (विशेष रूप से चीन व अमेरिका) के साथ भू–राजनीतिक रणनीति उस पर निर्भर करती है।

जनरल आसिम मुनीर निश्चित तौर पर भारत के प्रति मित्रवत नहीं होंगे। जो लोग पाकिस्तान को जानते हैं, वे समझ सकते हैं, क्योंकि यही इतिहास है। पाकिस्तान की नागरिक सरकार और सेना के बीच के विभाजन का इतिहास पाकिस्तान के बारे में हमारे लिए सीमित विकल्प पेश करता है। जनरल बाजवा ने सम्मानजनक तरीके से सेवानिवृत्त होने का फैसला लिया है, संभवतः यह उनके सामने सबसे अच्छा विकल्प भी था, क्योंकि उन्हें एक और सेवावृद्धि पाकिस्तान के अन्य जनरलों को नाराज कर देती, जो कि समय पर नए प्रमुख की प्रतीक्षा कर रहे थे, ताकि मनमाने तरीके से अर्जित किए जाने वाले धन में हिस्सेदारी के लिए वे भी एक सीढ़ी और आगे बढ़ें।

आयशा सिद्धीका ने अपनी किताब मिलिट्री इंक, इनसाइड पाकिस्तान्स मिलिट्री इकनॉमी, में इसके बारे में विस्तार से लिखा है। वह इसे विभिन्न साधनों से धन कमाने का सैन्य कारोबार कहती हैं। वह इसे 'मिलबस' कहती हैं। उदाहरण के लिए, जनरल बाजवा ने अरबों डॉलर अर्जित किए और वह चाहें तो दुबई या पश्चिम में मजे से अरबपति की जिंदगी जी सकते हैं, बशर्ते कि उनके उत्तराधिकारी उन्हें पाकिस्तान के भ्रष्टाचार विरोधी नियामकों से क्लीन चिट दिलवा दें।

यह वही समूह है, जिसने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में विदेशों में मिले तोहफों को अपने घर ले जाने पर इमरान खान की ओर उंगली उठाई थी। बाजवा के अधीन पाक सेना ने पहले नवाज शरीफ और उसके बाद इमरान खान को बर्खास्त करवाया, लेकिन दूसरी ओर उसने दिवालिया हो चुके पाकिस्तान के बजट और यहां तक कि चीन से वित्तपोषित सीपीईसी परियोजना से बड़ी रकम हड़पने वाले अपने जनरलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

दूसरा विकल्प, जिसे हम पाकिस्तान के मामले में कभी खारिज नहीं कर सकते, वह यह कि यदि पाकिस्तान की सड़कों पर अराजकता जारी रहती है, तो सैन्य तख्तापलट (संभवतः जनरल मुनीर द्वारा) हो सकता है। यह न भूलें कि इमरान ने आईएसआई के महानिदेशक पद से हटाकर अपनी पसंद के लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद को बिठाया था। ऐसी तल्खी आसानी से खत्म नहीं होती हैं, खासकर तब, जब इमरान खान के समर्थक अपने लोकतंत्र समर्थक लांग मार्च और प्रदर्शनों को आक्रामक कर नए स्तर पर ले जाने को आमादा हों।

इसने पाकिस्तान में लोकतंत्र के नाम पर किए जा रहे ढोंग के खिलाफ जनमत तथा नागरिक समाज में धीमे–धीमे बढ़ते विरोध को दिखाया है। यह जनरल जिया के बाद के दौर की विरासत है, जब उनके उत्तराधिकारी जनरल मिर्जा असलम बेग ने सिर्फ नाम के लिए नागरिक सरकार के एक निर्वाचित प्रमुख को चुना और सारे अहम फैसले सेना के हाथ में थे, यहां तक कि प्रधानमंत्री के पास सैन्य प्रमुख की नियुक्ति का सिर्फ रस्मी अधिकार रह गया। कमान संभालते ही सारे नियंत्रण सीओएएस (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के हाथों में जाते हैं।

इससे, जैसा कि हुसैन हक्कानी ने अपनी किताब पाकिस्तान : बिटवीन मास्क एंड मिलिट्री में लिखा है, पश्चिमी दुनिया सार्वजनिक रूप से नागरिक व्यवस्था और निजी तौर पर जनरलों के साथ सहजता महसूस करने लगी। हैरत नहीं कि अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने अपने प्रवास के दौरान नेताओं के साथ औपचारिक मुलाकातें तो कीं, लेकिन ज्यादा वक्त जनरलों के साथ गुजारा, जिन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि उनके परिमाणु हथियार आतंकी गुट से दूर सुरक्षित हैं।

जनरलों के पास अंतिम और सबसे असंभावित विकल्प यह है कि वे सेना को वापस बैरक में ले जाएं। सैद्धांतिक रूप से यह संभव है, जैसा कि तुर्किये में है, जहां लोकतंत्र के भीतर प्रभावशाली सेना का इतिहास है। लेकिन पाकिस्तान के मामले में सेना दो कारणों से राजनीति में है। पहला, अधिकांश पाकिस्तानी उसे 'जिहादियों', या भारत, यहां तक कि अमेरिका से बचाने वाले पाकिस्तान के उद्धारक के तौर पर सम्मान देते हैं। जैसा कि हमने पाकिस्तान के निर्माण के बाद से देखा है, उनके राजनेता वैध रूप से पाकिस्तान पर शासन करने या लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहे हैं।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि सेना उपलब्ध धन का 50 फीसदी, यहां तक कि 70 फीसदी (जैसा कि हक्कानी ने एक बार एक टीवी शो में मुझसे कहा था) तक हड़प लेती है। सेना के सार्वजनिक जीवन में बने रहने का दूसरा कारण यह है कि उन्होंने जिहादी गुटों, परमाणु हथियारों और उनके हथियारों के सौदों से लेकर तमाम इमारतों का निर्माण किया, जिन्हें वे नागरिकों को नहीं सौंपेंगे। कहा जाता है कि बेनजीर भुट्टो और नवाज शरीफ, दोनों को निर्वाचित होने के बाद आगाह किया गया था कि वे 'नो गो एरिया' में न जाएं, यानी सेना के मामले में दखल न दें। पाकिस्तानी सेना का एक लंबा इतिहास रहा है कि उन्होंने अपने आश्रितों का इस्तेमाल एक मिश्रित शासन स्थापित करने के लिए किया और फिर जब उन्होंने उनके नियंत्रण से बाहर होने की कोशिश की तो उन्हें हटा दिया गया।

साफ है कि नए सैन्य प्रमुख को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे कि एक संस्था के रूप में सेना की विश्वसनीयता को ऐसा नुकसान न हो, जिसकी भरपाई न हो सके। इमरान खान का सीधा आरोप सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को आत्मनिरीक्षण करने के लिए मजबूर करेगा कि कैसे इस संवेदनशील मोड़ पर उसके खिलाफ चल रहे अभियान का मुकाबला किया जाए, क्योंकि नए सैन्य प्रमुख कमान संभालने जा रहे हैं। सेना जोर देकर कहती है कि पाकिस्तान में चल रहे राजनीतिक नाटक पर उसकी तटस्थ स्थिति है, हालांकि पाकिस्तान में एक 'किंगमेकर' के रूप में उसकी भूमिका सर्वविदित है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

नागरिको हेतु ओपन जिम और बच्चो के लिये आधुनिक झूलो का मिला तोहफा

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : नगरपालिका परिषद,शाहाबाद के पांच बर्ष का कार्यकाल के पूरा होने से पहले हुई बोर्ड की अंतिम बैठक में पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने सभी सभासदों और पालिका प्रशासन को धन्यबाद ज्ञापित करते हुए अपने कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर सभी का आभार व्यक्त किया। बोर्ड की अंतिम बैठक में अध्यक्ष नसरीन बानो ने नगरवासियों के लिये एक ओपन जिम और बच्चो के लिये सुंदर आधुनिक झूलो का तोहफा देने की घोषणा की जिसका सभी ने स्वागत किया।श्रीमती नसरीन बानो ने कहा कि बड़ो के एक्सरसाइज के लिये ओपन जिम और बच्चो के खेलने के लिये एक पार्क की कमी महसूस हो रही थी।जिसके लिये उन्होंने अपनी पालिका कैबिनेट के माध्यम से ओपन जिम और आधुनिक झूलो का पार्क की स्थापना बड़ी फील्ड के मैदान में करवाई जा रही है।बड़ी फील्ड पार्क में एक सुंदर ओपन जिम जिसमे विभिन्न उपकरण लगाए जा रहे है और बच्चो के मनोरंजन के लिये सुंदर सुंदर आधुनिक झूलो से मैदान की सज्जा हो रही है।उन्होंने कहा कि इसको अतिशीघ्र जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि उनका सपना नगर का विकास है और उसके लिये उन्होंने सदैव जनता की कसौटी पर खरा उतरने का काम किया है।उन्होंने नगर की सम्मानित जनता को अपना परिवार बताते हुए सदैव हर सुख दुख में साथ निभाने का संकल्प दोहराया।बोर्ड की बैठक में बस स्टैण्ड से रेलवे

स्टेशन मार्ग के नाम को अच्छे सामाजिक कार्यो के लिये प्रख्यात समाजसेवी अमिय कृष्ण चतुर्वेदी के नाम से जाने जाने की योजना पर मुहर लगी।अमिय कृष्ण चतुर्वेदी हरदोई के डीएम रह चुके है और अभी भी विभिन्न समाजसेवी कार्यो से समाज को नेक दिशा देने में अग्रसर है।अधिशाषी अधिकारी आर आर अम्बेश ने बैठक में पालिका कैबिनेट को पांच बर्ष के अच्छे कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।बोर्ड की बैठक में सभासदों में लक्ष्मी कांत त्रिपाठी,तारिक खाँ,कृष्ण कुमार,अजहर मसूद,पवन रस्तोगी, यदुवीर,सरिता गुप्ता,किरण देवी,बेबी त्रिपाठी,इमरान खाँ,अजीम आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल में संविधान दिवस के अवसर पर हुआ विभिन्न आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। संविधान दिवस के सुअवसर पर उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल द्वारा भारतीय संविधान के प्रति अपनी आस्था एवं प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए लखनऊ स्थित मंडलीय कार्यालय एवं मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनो एवं इकाइयों पर इस विशेष दिवस पर देश की अखंडता,एकता एवं प्रभुता संपन्नता को स्थापित कराने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका का स्मरण करते हुए तथा संविधान के प्रति अपनी पूर्ण आस्था प्रकट करते हुए संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। लखनऊ स्थित मंडल कार्यालय में संजय कुमार मोहंती, सदस्य (ऑपरेशनस एंड बिजनेस डेवलपमेंट), रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा, मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, सुरेश कुमार सपरा एवं मंडल रेल प्रबंधक,पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ आदित्य कुमार की उपस्थिति में उत्तर एवं पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य अधिकारियो को भारत के संविधान की उद्देशिका का पठन कराया गया, जिसका अभिप्राय लोकतान्त्रिक भारत के संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित करना है। भारत की एकता, अखंडता एवं समरसता का सशक्त आधारस्तंभ भारत गणराज्य का संविधान अपनी पूर्ण आभा के साथ प्रदीप्त होकर इस ऐतिहासिक,

पौराणिक, आध्यात्मिक एवं पावन देश को यश, समृद्धि, विकास तथा एकरसता से सुसज्जित करता है। अतः यह विशेष दिवस भारतीय पृष्ठभूमि में अपना विशेष महत्त्व रखता है इसके अतिरिक्त मंडल कार्यालय में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अमित पाण्डेय द्वारा उपस्थित कर्मचारियों को उद्देशिका का पठन कराया गया। मण्डल के वाराणसी जं. (कैंट) स्टेशन पर अपर मंडल रेल प्रबंधक,वाराणसी, श्री लाल जी चौधरी द्वारा सभी अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका पढ़कर सुनाई गयी। इसके अतिरिक्त मंडल के अन्य सभी छोटे–बड़े स्टेशनों जैसे सुल्तानपुर ,अमेठी, अयोध्या कैंट, बाराबंकी, उन्नाव, प्रयाग,अयोध्या ,जौनपुर,सुल्तानपुर, रायबरेली में संविधान की उद्देशिका का पठन कराया गया एवं इस दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया।

थाना कोतवाली मड़ियाहूं में उपस्थित समाधान दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारी व कर्मचारियों को दिलाई गयी शपथ

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली मड़ियाहूं में उपस्थित थाना समाधान दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारी व कर्मचारियों को शपथ दिलाई गयी। जिलाधिकारी ने संविधान दिवस के अवसर पर बताया कि 26 नवंबर 1949 को समिति के द्वारा संविधान लिखकर पूर्ण करने पर देश की संविधान सभा द्वारा संविधान को विधिवत रूप से स्वीकार किया गया था। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी 1950 को इस संविधान को देश में लागू किया गया था। इसी के फलस्वरूप 26 नवम्बर को राष्ट्रीय संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय संविधान दिवस को राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार ही निष्पक्षता, ईमानदारी से अपने पदीय दायित्व का निर्वहन करें। इसी क्रम में आज राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षवर द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर एवं विकास भवन

सभागार में अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, जिला विकास अधिकारी बीबी सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आरडी यादव, उपायुक्त मनरेगा भूपेन्द्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय ने व जनपद के समस्त कार्यालयों में कार्यालयाध्यक्षों द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर शपथ दिलायी गयी।

कालेज में मनाया गया राष्ट्रीय संविधान दिवस : छात्र छात्राओं को दी गई संविधान की जानकारी

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव पाली–हरदोई : नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में शनिवार को संविधान दिवस मनाया गया। आपको बता दें कि इसका मुख्य उद्देश्य संविधान के विषय में नागरिकों को जागरूक करना था। इस मौके पर सर्वप्रथम कालेज के शिक्षक सोनू कुमार ने प्रार्थना स्थल पर छात्र/छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया।संविधान में लिखित प्रस्तावना के माध्यम से सभी को अवगत कराया एवं संविधान के निर्माताओं के बलिदानों को याद किया। साथ ही सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं, कर्मचारियों व बच्चों ने संविधान के प्रति निष्ठा रखने का संकल्प लिया। इसी कड़ी में शिक्षक विजय कुमार यादव ने छात्र/छात्राओं को भारतीय संविधान के निर्माण की जानकारी देने के साथ इसकी विशेषताओं से भी अवगत कराया। बच्चों को इसके इतिहास और प्रदत्त अधिकारों के बारे में भी बताकर उनको जागरूक किया गया। कहा कि आज का दिन भारतीय इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण है। 26 नवम्बर की ऐतिहासिक तारीख सन 1949 में भारत की संविधान समिति की तरफ से भारत के संविधान को स्वीकार किया गया था।लेकिन इसे 26 जनवरी 1950 को प्रभावी रूप से लागू किया जा सका। एक भारतीय नागरिक होने के नाते आपको समानता

का अधिकार,स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार,धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार,संस्कृति एवं शिक्षा से संबंधित अधिकार मिले हुए हैं। यदि आप के किसी भी अधिकार का हनन होता है, तो आपको संवैधानिक उपचारों का भी अधिकार प्राप्त है। और उन्होंने बताया कि संविधान में मौलिक अधिकार नागरिकों की ढाल बन गये हैं,जबकि मौलिक कर्तव्य हमें हमारे दायित्वों की याद दिलाते हैं।

जौनपुर के सपन अस्थाना को राज्यपाल ने दी डॉक्टरेट की उपाधि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के २०वें दीक्षांत समारोह में दिनांक २६ नवंबर २०२२ को मयूर विहार सी ब्लॉक, लखनऊ के सपन अस्थाना को प्रबंधन विषय में डॉक्टरेट की उपाधि महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर कमलो से प्राप्त हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत की पांचवी सबसे बड़ी दवा कंपनी जायडस लाइफ साइंसेज लिमिटेड के अध्यक्ष पंकज आर पटेल, श्री सुभाष चन्द्र शर्मा, प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग एवं विशिष्ट अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशीष पटेल, विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति थी। उपाधिधारक सपन अस्थाना, पुत्र श्री रमेश चंद्र अस्थाना, श्रीमती गीता अस्थाना ने अपना शोध ''लखनऊ क्षेत्र में कार्यरत जीवन बीमा की सार्वजानिक एवं निजी कंपनियों के विपणन रणनीतियों का तुलनात्मक अध्ययन'' शीर्षक पर प्रो. विनितेन्द्र प्रताप सिंह के शोध निर्देशन में किया। उपाधिधारक सपन अस्थाना ने इस सफलता का श्रेय अपने पिता जी की देते है जो केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से डिप्टी कमांडेंट पद से सेवानिवृत्ति हुए हैं, ''पिता जी सदैव उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं एवं सदैव कहा करते हैं कि जहाँ चाह हैं वहां राह हैं। माता श्रीमती गीता अस्थाना गृहणी हैं जो सदैव शिक्षा पर विशेष बल देतीं हैं एवं सदैव प्रयत्नशील रहना ही सफलता का मंत्र बताती हैं, साथ ही साथ सपन अस्थाना ने इस सफलता का श्रेय ईश्वर एवं अपने परिवार के सभी सदस्यों को दिया जिनके कारण संकल्प से सिद्धि की प्राप्ति हो सकी। सपन अस्थाना, वर्तमान में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ में शिक्षण का कार्य करते हैं। इस सफलता पर महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ के कुलाधिपति, श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव, महानिदेशक ग्रुप कैप्टन प्रो. ओ. पी. शर्मा, कुलपति,

प्रो. भानू प्रताप सिंह एवं कुलसचिव, प्रो. अखण्ड प्रताप सिंह ने बधाई दी। संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा, राजस्थान के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने भी सपन अस्थाना को बधाई प्रेषित किया एवं कहा की बीमा क्षेत्र में कोविड के बाद बहुत ज्यादा सकारात्मक बदलाव आये हैं, यह शोध उस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। प्रो. एच के सिंह, सीनियर प्रो., काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं प्रो. राधे श्याम सिंह, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ, डॉ ब्रजेश कुमार तिवारी, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, श्री अवनी कमल, सिटी कोआडिनेटर, लखनऊ, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो अनूप कुमार सक्सेना, डॉ उपेन्द्र नाथ शुक्ला, डॉ अल्पना श्रीवास्तवा, श्री अनूप श्रीवास्तव, श्री राहुल भारद्वाज, श्री वरुण श्रीवास्तव, श्री सुनील मिश्रा, श्री ए पी सेठ, डॉ. विजय श्रीवास्तव, श्री रमेश चन्द्र गौड, श्री हरिशंकर अस्थाना, श्री साधन अस्थाना, श्री शशांक सिन्हा, श्री शिवम् सिन्हा, सौरभ श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार सिंह सहित विभिन्न लोगों ने अपनी बधाई प्रेषित की। डॉक्टरेट कि डिग्री प्राप्त होने पर मयूर विहार, सी. ब्लॉक, पिकनिक स्पॉट रोड, लखनऊ, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं श्री चित्रगुप्त सभा, इन्दिरानगर सहित विभिन्न संस्थानों के सदस्य, शिक्षक, शुभचिंतक एवं मित्रों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। शोधकर्ता ग्राम पट्टीदयाल, पोस्ट–बदलापुर, जनपद–जौनपुर के मूल निवासी हैं, जिनकी उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से हुई है ।

टूटेगा यजदान बिल्डर का अवैध अपार्टमेंट : अपील खारिज

लखनऊ ब्यूरो : प्राग नरायन रोड पर यजदान अपार्टमेंट के अवैध निर्माण को एलडीए फिर से तोड़ने की कार्रवाई शुरू करेगा। आवास विभाग ने मंडलायुक्त कोर्ट के आदेश के खिलाफ की गई अपील को खारिज कर दिया है। आवास विभाग के सचिव रणवीर प्रसाद के आदेश में कहा गया है कि अपील के बाद सुनवाई में खुद बिल्डर या उसका प्रतिनिधि मौजूद नहीं रहे। अपील में बिल्डर का कहना था कि 2015 में उनका नक्शा स्वीकृत किया गया था। इसके बाद भी बिल्डिंग को तोड़ने का आदेश जारी एलडीए ने कर दिया। इसके बाद सील की कार्रवाई भी की गई। जबकि, स्वीकृत मानचित्र की कॉपी बिल्डर नहीं दे सका। वहीं एलडीए ने बताया कि ऐसा कोई मानचित्र स्वीकृत नहीं हुआ। यह भी तथ्य सामने आया कि नजूल विभाग की जमीन पर अपार्टमेंट के निर्माण के लिए एनओसी भी नहीं ली गई। ऐसे में 2020 में शमन मानचित्र बिल्डर द्वारा जमा किए जाने के बाद भी स्वीकृत नहीं हो सका। बिल्डर द्वारा बिना अनुमति छह मंजिल का अपार्टमेंट बना दिया गया।

जिलाधिकारी ने किया एम०आर०एफ० सेन्टर का उद्घाटन

जौनपुर सू.वि. : स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत निकाय से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण हेतु नगर पंचायत मड़ियाहूँ द्वारा ग्राम जमलिया में एम०आर०एफ० सेन्टर का निर्माण कार्य कराया गया है, जिसका जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा उद्घाटन किया गया जिसमें ग्राम जमलिया में निकाय द्वारा एम०आर०एफ० सेन्टर, एम0आर0सेन्टर का बाउण्ड्रीवाल व एम०आर०एफ० सेन्टर का सड़क मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया है। उक्त के निर्माण से निकाय से निकलने वाले कूड़े को सीधे एम०आर०एफ० सेन्टर पर भेजा जायेगा। उक्त अवसर पर अपर जिलाधिकारी रजनीश राय, नगर पंचायत मड़ियाहूँ की अध्यक्ष श्रीमती रूकसाना कमाल, निकाय के अधिशासी अधिकारी डा० संजय कुमार, ग्राम जमलिया के प्रधान, रामनगर के ब्लाक प्रमुख अरविन्द सिंह उर्फ मखडू, खण्ड विकास अधिकारी रामनगर व नगर पंचायत मड़ियाहूँ के समस्त सभागसदगण उपस्थित रहे।

संविधान हमें दिशा दिखता है ध्रुव तारा की तरह– प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सरस्वती सदन पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने शनिवार को संविधान द्विवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका की शपथ शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को दिलाई। इस अवसर पर दतोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के विद्यार्थियों ने झांकी निकालकर संविधान दिवस के बारे में लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि संविधान ध्रुवतारा की तरह है। ध्रुवतारा उत्तर में उगता है और इस प्रकार एक संकेतक के रूप में दिशाओं को खोजने के लिए उपयोग किया जाता है। इसी तरह देश का संविधान भी हमारे लिए ध्रुव तारा का काम करता है। जब हमें कोई रास्ता नहीं दिखता तब यह हमें दिशा दिखाता है। वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को 26 नवंबर को ही अपनाया गया गया था। हालांकि, इसे 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू किया गया था। केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 19 नवंबर 2015 को घोषणा की थी कि 26 नवंबर को हर साल संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाएगा। इसके बाद से हर साल संविधान दिवस को इस दिन

मनाया जाता है। उन्होंने संविधान दिवस की शपथ शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को दिलाई। इसके बाद संस्थान के निदेशक गंगला प्रसाद. डा.अनुराग मिश्र, श्रीप्रकाश यादव, डा.वनीता सिंह, डा.रजितराम सोनकर, डा. अंकित सिंह, डा. राहुल कुमार राय, डा. दिनेश कुमार सिंह डा. प्रमोद कुमार के साथ विद्यार्थियों ने झांकी निकालकर परिसर में संविधान दिवस के बारे में लोगों को बताया। कहा कि संविधान के कारण ही देश में लोकतंत्र कायम है। देश के सभी नागरिकों को इसके माध्यम से ही न्याय मुहैया कराई जा सकती है। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, बबिता सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रामनारायन, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. मुराद अली, डा. प्रमोद कुमार यादव, डा. अमरेंद्र सिंह, डा. सुनील कुमार, डा. मनोज पांडेय, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. राजीव कुमार, डा. परमेंद्र विक्रम सिंह, डा. रामांशु सिंह, डा. द्ववेंदु मिश्र, डा. राजेश सिंह, सुबोध पांडेय, रामगोपाल आदि शामिल थे।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत : पत्नी घायल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : तिघरा बाजार में शुक्रवार को ट्रैक्टर की चपेट में आकर बाइक सवार दंपती घायल हो गए। दोनों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने पति को मृत घोषित कर दिया। पत्नी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सुल्तानपुर जिले के करौंदी थाना क्षेत्र के बांगर खुर्द गांव निवासी ३० वर्षीय ओंकार नाथ मिश्रा अपनी पत्नी को दवा दिलवाने जौनपुर जिला मुख्यालय पर जा रहे थे। उक्त बाजार के यूबीआई शाखा के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पत्नी को भी चोटें आईं। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने उन्हें सीएससी भेजवाया। जहां पति की गंभीर हालत देख उन्हें जिला चिकित्सालय भेज दिया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रैक्टर सहित मौके से फरार हो गया। खबर लिखी जाने तक मामले को लेकर थाने में तहरीर नहीं दी गई है।

बारात देखने गई आठ साल बालिका के साथ दुष्कर्म

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : थाना क्षेत्र के एक गांव मे बारात देख रही आठ साल की बालिका के साथ खेत मे दुष्कर्म किया गया।घटना की जानकारी होते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।बालिका को मेडिकल के लिए जौनपुर भेज दिया गया है। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव मे बारात आई थी गांव की ही एक आठ साल की बालिका भी बारात देखने गई थी।देर रात तक बालिका अपने घर नही पहुंची तो घर वालों को चिंता हुई ।परिजन काफी देर तक खोजबीन करते रहे लेकिन वह नही मिली।सुबह भोर मे बालिका बेहोशी की हालत मे एक खेत मे मिली तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई ।बालिका के साथ किसी ने दुष्कर्म किया था वह खून से लथपथ थी।गांव के लोग भी इकट्ठा हो गये।परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी तो पुलिस मौके पर पहुंची।कुछ दे बाद सीओ अतर सिंह व थानाध्यक्ष रमेश यादव मय फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे और घटना के सम्बंध मे लोगो से जानकारी ली।पुलिस ने बालिका को मेडिकल परिक्षण के लिए जौनपुर भेज दिया है।परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।इस बाबत सीओ मछलीशहर अतर सिंह का कहना है कि सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर बालिका के परिजनों से जानकारी ली और त्वरित कार्यवाही करते हुए अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।मामले की छानबीन की जा रही हैं।

पुलिस अधीक्षक के फटकार के बाद थानाध्यक्ष ने दर्ज किया मुकदमा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : स्थानीय थाने पर तैनात थानाध्यक्ष के दुर्व्यवहार के चलते पीड़ित महिला को एक माह तक मुकदमा दर्ज कराने के लिए उच्चाधिकारियों का चक्कर लगाना पड़ा। वही एक माह बाद पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने व पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद मुकदमा दर्ज हुआ। जानकारी के अनुसार जगदीशपुर गांव निवासी शिव पूजन मिश्रा व रोहित मिश्रा के बीच बैर काटने को लेकर बीते 22 अक्टूबर को विवाद हो गया। प्रिया मिश्रा पत्नी रोहित मिश्रा का आरोप है कि पड़ोस के शिवपूजन,विजय नारायण,पवन मिश्रा,आरती मिश्रा,सुषमा व शिववार्ता आदि लोग मुझे व मेरे पति को धारदार हथियार सहित लात घुसे से जमकर पिटाई की, उसके बाद मैं किसी तरीके से जान बचाकर घर के अंदर भागी तो उक्त लोग घर में घुसकर मेरे साथ अभद्रता सहित छेड़खानी करने करने लगे। जिसकी शिकायत तभी से सुरेरी थानाध्यक्ष से की जा रही थी लेकिन थानाध्यक्ष उक्त मामले में न ही घायलों का मेडिकल कराएं और ना ही मुकदमा पंजीकृत किए। वही पीड़ित के परिवार के अधिवक्ता नागेश मिश्रा थानाध्यक्ष सुरेरी के खिलाफ जौनपुर दीवानी न्यायालय के मुख्य गेट पर थानाध्यक्ष सुरेरी के खिलाफ कई बार प्रदर्शन भी किए। प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं का एक संघ पुलिस अधीक्षक जौनपुर अजय साहनी से मिला व मामले की शिकायत की। शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष सुरेरी रमेश कुमार को जमकर फटकार लगाई व पीड़ित महिला का मुकदमा पंजीकृत करने का आदेश किया। तत्पश्चात 24 नवंबर को थानाध्यक्ष सुरेरी ने शिवपूजन, विजय नारायण, आरती मिश्रा,पवन मिश्रा,सुषमा व शिववार्ता के खिलाफ तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष सुरेरी रमेश कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सर्जन के फ्लैट में मृत मिली महिला की गला घोंटकर हुई थी हत्या : दुष्कर्म की भी आशंका

प्रयागराज ब्यूरो : रामबाग में सर्जन के फ्लैट में मृत मिली 35 वर्षीय महिला की गला घोंटकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ। उसकी गर्दन पर गला कसे जाने के निशान मिले हैं। यह भी आशंका है कि उससे दुष्कर्म हुआ। फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। डॉक्टरों ने वैजाइनल स्वैब की स्लाइड सुरक्षित रख ली है। रामबाग के देवड़ा सदन स्थित सर्जन दीपकेंद्र मित्रा के दूसरे तल स्थित फ्लैट में रहने वाली महिला बृहस्पतिवार को मृत पड़ी मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर शव निर्वस्त्र हालत में मिला था। शुक्रवार शाम चार बजे के करीब दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम शुरू किया। वीडियोग्राफी के बीच हुए पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के गले में निशान मिला। इससे पता चला कि गला घोंटकर उसकी हत्या की गई थी। यह भी पता चला कि महिला की मौत सात–आठ दिन पहले हुई। शव निर्वस्त्र हाल में मिला था, ऐसे में दुष्कर्म

की भी आशंका जताई गई। हालांकि, शव काफी पुराना होने के चलते जांच में इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। जिस पर वैजाइनल स्वैब की स्लाइड सुरक्षित रख ली गई। सूत्रों का कहना है कि स्लाइड की जांच में स्पष्ट हो सकेगा कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ या नहीं। अफसर पीएम रिपोर्ट न मिलने की कहते रहे बात इस मामले में पुलिस अफसर रात तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट न मिलने का बयान देते रहे। एसपी सिटी संतोष कुमार मीना से पूछा गया तो उनका कहना था कि अब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा।

विश्व में सर्वोत्तम है भारतीय संविधान –प्रो. रमेश चंद्र सिंह

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर रमेश चंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का

आयोजन हुआ। संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रमेश चंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व में सर्वोत्तम है।इस संविधान ने 26 जनवरी 1950 से अद्यतन देश को एकता एवं अखंडता में बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने भारत के संविधान के विकास की यात्रा का विस्तार से वर्णन किया और कहां कि भारतीय संविधान में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्य 'वसुधैव कुटुंबकम' एवं 'आत्मवत सर्वभूतेषु' सन्निहित हैं। यह विश्व का अनोखा संविधान है। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान में स्वतंत्रता, समानता ,भातृत्व जैसे मूल्य समाहित हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संविधान की उद्देशिका की शपथ डॉ अवधेश कुमार मिश्रा ने दिलाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जितेंद्र सिंह, असि. प्रोफेसर हिंदी ने किया। इस अवसर पर डॉ अविनाश वर्मा, डॉ नीलमणि सिंह, डॉ इंद्र बहादुर सिंह, डॉ जितेंद्र कुमार, कार्यालय अधीक्षक बिंद प्रताप सिंह अखिलेश सिंह गंगा प्रसाद सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

बिजली विभाग ने कैंप लगाकर वसूले ढाई लाख : सत्रह बकायेदारों के कनेक्शन कटे

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर कस्बे में शुक्रवार को शिविर लगाकर बिजली विभाग ने ढाई लाख रुपये बिजकी का बिल वसूली की। इस दौरान एस डी ओ मगन सिंह ने चेकिंग अभियान चलाकर सत्रह बड़े बकायेदारों का विद्युत कनेक्शन काट दिए। बिजली विभाग द्वारा चलाये गए चेकिंग अभियान में बिजली कनेक्शन काटे जाने की कार्रवाई से बड़े बकायेदारों में हड़कंप मचा रहा। एस डी ओ मगन सिंह ने कहा कि यदि बड़े बकायेदारों द्वारा बिजली का बिल नही जमा किया जाता है तो पुनः उनका कनेक्शन काटा जाएगा। इस दौरान एस डी ओ मगन सिंह के साथ जेई जगपाल सिंह, लाइनमैन संतोष कुमार, प्रशांत सिंह, रमेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

विद्युत शार्ट सर्किट के चलते किराने की दुकान में लगी आग

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : तहसील क्षेत्र के बेलांव बाजार में गुरूवार की रात विद्युत शार्ट सर्किट के चलते किराने की दुकान में आग लग जाने से लगभग दस लाख की सम्पत्ति जलकर राख हो गयी। दुकान में रखी स्कूटी भी आग की चपेट में आने से कंकाल का ढेर बन गयी। आग कीध लपट इतनी ऊँची थी कि आसपास के दुकानों पर भी चपेट में ले लेती लेकिन समय रहते दमकल विभाग के पंहुचने पर आग पर काबू पाया जा सका। गौरतलब है कि कटका निवासी आशीष कुमार गुप्ता ने बेलांव बाजार में किराए पर मनीष किराना स्टोर्स के नाम से दुकान खोल रखी है। बाजार से कुछ दूरी पर उन्होंने अपना आवास बना रखा है। रात में दुकान पर आग लगने की सूचना पर जब वह दुकान में पंहुचे आग अपने विकराल रूप में रूप में थी। उन्होंने फायर बिग्रेड टीम को सूचित किया। जब तक फायर बिग्रेड की टीम पंहुचती दुकाध्न का सब सामान जलकर राख हो चुका था। स्कूटी भी जलकर कंकाल का रुप ले चुकी थी। आशीष ने बताया कि लगभग दस लाख की सम्पत्ति जलकर राख हो चुकी है।

दो दुकान का पीछे से दरवाजा तोड़कर बाइक सहित अन्य सामान चोरी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : चंदवक थाना क्षेत्र के बजरंगनगर बाजार में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान का पीछे से दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने बाइक सहित हजारों के इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा ले गए।सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।जानकारी के अनुसार बजरंगनगर बाजार में एराब अली की इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है।बीती रात चोर पीछे से दरवाजा तोड़कर कर अंदर घुसे और उसमें रखी प्लैटिना बाइक, लैपटॉप, इनवर्टर बैटरी सहित हजारों रुपये के अन्य सामान चुरा ले गए।सुबह जानकारी होने पर भुक्तभोगी ने पुलिस को सूचना दी।इसके अलावा शैलेंद्र सिंह के दुकान से भी चोरों ने लगभग बीस हजार के सामान चुरा ले गए।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है! बजरंग नगर चौकी इंचार्ज जितेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पहुंची जांच पड़ताल किया आवश्यक कार्रवाई की जा रही है!

महामहीम ने मुरारपुर के सूर्य भूषण को दिया पीएचडी की उपाधि

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश की ओर से सूर्य भूषण दुबे को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि यूपी की महामहीम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिया। बता दें कि सूर्य भूषण ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत प्रोफेसर डॉ अनुराग त्रिपाठी के निर्देशन में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एप्लीकेशन ऑफ द स्मार्ट ग्रिड कॉन्सेप्ट आफ रिन्यूएबल एनर्जी में शोध पूर्ण किया है। सुर्य भूषण मूल रूप से तहसील गोला अंतर्गत मुरारपुर गांव के पत्रकार बृज भूषण दूबे के छोटे भाई हैं।

संविधान दिवस के अवसर पर अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड जौनपुर द्वारा कर्मचारियों का दिलायी गयी शपथ

बच्चों के लिए माँ का दूध सर्वश्रेष्ठ आहार – महिला रोग विशेषज्ञ डा0 लकी शुक्ला

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : महिला रोग विशेषज्ञ डा0 लकी शुक्ला ने सीएचसी में आयोजित नेशनल मिल्क– डे संगोष्ठी में कहा कि शिशुओं के लिए माँ का दूध सर्वश्रेष्ठ आहार होता है! छ माह तक के बच्चों को मां के दूध के अलावा और कुछ भी नहीं देना चाहिए! माँ का दूध उनके लिए अमृत के समान होता है! उन्होंने कहा कि जन्म के फौरन बाद बच्चे को मां का पीला गाढ़ा दूध जरूर पिलाना चाहिए! यह दूध उन तमाम बीमारियों से बचाने वाले टीके के समान होता है! उन्होंने कहा कि बड़े होने पर सभी को गाय का दूध पीना चाहिए! गाय का दूध सभी जानवरो के दूध में सर्वश्रेष्ठ होता है! सीएचसी के अधीक्षक डा0 संजय दुबे ने कहा कि देश में श्वेत क्रांति के जनक डा0 वर्गीज कूरियन का जन्म 26 नवम्बर को हुआ था! उनकी याद में इस दिन को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में मनाया ही नहीं जाता है बल्कि दूध की खूबियों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाता है! उन्होंने कहा कि दूध में आवश्यक सभी पोषक कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी–12 प्रोटीन तथा स्वस्थ फैट आदि मौजूद होता है! इस लिए सभी को अच्छे स्वास्थ्य के लिए दूध पीना जरूरी है! संगोष्ठी का संचालन स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राकेश मौर्य ने किया! इस मौके पर डा0 कोविवेन्द्र त्रिपाठी, सुभाष यादव, दिलीप, राकेश, अजय त्रिपाठी , सुशील यादव, डा0 पूजा त्रिपाठी , डा0 मनीष मौर्या आदि लोग मौजूद थे!

सन्तुलित उर्वरक प्रबंधन से आएगी दूसरी हरितक्रांति

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कृषि विभाग ने शनिवार को जलालपुर ब्लाक सभागार में कृषि सूचना तन्त्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत रबी गोष्ठी का आयोजन किया।जिसमें संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जैविक खेती, कृषि यंत्रीकरण, सिचाई प्रबंधन, कटाई उपरान्त फसल प्रबंधन से किसानों की आय दूनी करने तथा रबी फसलों के वेहतर उत्पादन वाली तकनीकीयो एवं लाभकारी कृषि योजनाओं से किसानों को प्रशिक्षित किया गया। जिला उद्यान अधिकारी ममता सिंह यादव ने कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही है, किसान सम्मान निधि योजना से हर किसान लाभान्वित हो रहा है। उन्होंने फलों, फूलों एवं सब्जियों की वेहतर खेती की जानकारी दी।कृषि वैज्ञानिक डा. अनिल कुमार ने कहा कि आज खेती में हानिकारक रासायनिक उर्वरकों के बजाय जैविक खादों एवं जैव उर्वरकों के एकीकृत उपयोग तथा हानिकारक कीट नाशकों की जगह जैविक कीटनाशकों का प्रयोग करना नितान्त जरूरी हो गया है। बायोपेस्टिसाइड एवं बायोऐजेंट के प्रयोग से अपनी आय में वृद्धि कर किसान अपनी समृद्धि कर कृषि का सतत विकास कर सकते है। डा. अमित कुमार ने पशुओं के संतुलित आहार प्रबंधन एवं रखरखाव की विस्तार से जानकारी दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीओ पीपी शिवशंकर सिंह तथा संचालन अपर जिला कृषि अधिकारी डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर एडीओ एजी केपी यादव, डीडी सिंह,विजय सिंह,धर्मेन्द्र सिंह , ऊषा, सीमा सिंह, सरिता मौर्या आदि किसान मौजूद रहे।

बक्शा गांव में तालाब से हटवाया गया कब्जा : डीएम के आदेश पर जेसीबी लेकर पहुँचे लेखपाल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्शा गांव के मनखपड़ा गांव में वर्षों से तालाब की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा जमीन को जेसीबी की मदद से शनिवार को खाली कराया गया। जेसीबी की कार्यवाही से गांव में हड़कम्प मचा रहा। उक्त गांव की मौर्या बस्ती में तालाब की जमीन पर गांव के सतीश, विनोद मौर्या, राजबहादुर आदि मड़हा के अलावा पक्का निर्माण करवा रखें थे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारिका प्रसाद मौर्या द्वारा तालाब की खुदाई के दौरान अवरोध पैदा किया जा रहा था। उक्त मामलें में कई बार राजस्व टीम जाकर मापी करतें हुए भूमि खाली करने का निर्देश दिया था। समाधान दिवस संपन्न होने के पश्चात कानूनगो राजेश कुमार दूबे, लेखपाल विजय कुमार मिश्र, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, धीरेंद्र प्रताप एवं शुभम श्रीवास्तव प्रधान के साथ मौके पर पहुँचे जहां सीमांकन स्थल के अंतर्गत आने वाले जगह को जेसीबी की मदद से तोड़कर खाली कराया गया। जेसीबी से पानी की टँकी, शौचालय, पतरा, मड़हा, नाद आदि को जमीदोंज करतें हुए अतिक्रमण मुक्त किया गया।

कुलपति ने किया विरासत कला वीथिका का उद्घाटन : कला वीथिका शिल्प और कला के विविध रूपों से समृद्ध दिखी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की ओर से संकाय भवन में शनिवार को विरासत कला वीथिका का उद्घाटन कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया। यह कला वीथिका शिल्प और कला के विविध रूपों से समृद्ध दिखी। महिला अध्ययन केंद्र में विद्यार्थियों ने जो सृजन किया उसे अपनी कलाकृतियों में उकेरा। कला वीथिका में सजे चित्रों में काशी कारीडोर. शाही पुल, अटाला मसजिद, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय समेत क्राफ्ट की कई कलाकृति देखने को मिली। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों को सराहा। कहा कि विद्यार्थी अपना कौशल दिखाएं उन्हें जो भी आर्थिक मदद की जरूरत होगी विश्वविद्यालय उन्हें उपलब्ध कराएगा। कला वीथिका की आयोजक डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि इसका उद्देश्य हुनर के साथ– साथ विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि देश की विरासत और धरोहर को कला

के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। कुलपति और वित्त अधिकारी ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों को सराहा। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो रजनीश भास्कर, डा. मनोज मिश्र, डा. सुनील कुमार, डा. पूजा सक्सेना, डा. विनय वर्मा, डा. वनिता सिंह डा. लक्ष्मी मौर्य, रामगोपाल, ईश्वर शरण श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित थे।

पार्लियामेंट डिबेट से विद्यार्थियों को मिलेगी सीख –प्रो. सुभाष चंद्र सिंह

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय मे संविधान दिवस के अवसर पर शनिवार को 'भारतः लोकतंत्र की जननी' विषय पर आर्यभट्ट सभागार में एक व्याख्यान आयोजित हुआ। इस व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि प्रो सुभाष चन्द्र सिंह ने संविधान के उत्पत्ति से प्रारंभ करते हुए संविधान के सभी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस संविधान के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु मनाया जाता है। इन्होंने बच्चों को मूल संविधान में पार्लियामेंट डिबेट को पढ़ने और ज्ञान अर्जन के लिए प्रोत्साहित किया। इस व्याख्यान कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने संविधान को एक पवित्र ग्रंथ बताया और कहा कि संविधान ही हमें सारी शक्तियां देती है और संविधान में स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों का समावेश है। इन्होंने संविधान में प्रदत्त एवं अधिकारों पर भी प्रकाश डाला है एवं छात्रों को चरित्र निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया। व्याख्यान कार्यक्रम में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजकुमार ने संविधान के महत्व को बताते हुए बच्चों को अनुशासित रहने एवं परिश्रम से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया । विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो अजय द्विवेदी ने कहा कि संविधान हम सबका धर्म ग्रंथ है जिससे हम सब नियंत्रित होते हैं संविधान से ही हमें वह सारी शक्तियां मिली हुई है और सारे अधिकार मिले हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ वनिता

सिंह ने किया मुख्य अतिथि एवं मंचासीन सम्मानित अधिकारी एवं शिक्षकगण का स्वागत डॉ दिनेश कुमार सिंह ने किया। अंत में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के निदेशक मंगला प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संविधान दिवस के अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान की ओर से 'संवैधानिक नैतिकता एवं सामाजिक नैतिकता' विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आर्यभट्ट सभागार में आयोजित की गई । संविधान दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के शिक्षकगण डॉ राजित राम सोनकर, डॉ अंकित कुमार, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ राहुल कुमार राय, श्रीप्रकाश, डॉ अनुराग मिश्रा ने सहयोग प्रदान किया।

लोगों को पुलिस पर न निर्भर रहकर खुद अपने आसपास रह रहे संदिग्धों पर रखे नजर

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) आप सभी लोग अपने अपने आसपास संदिग्ध अवस्था में रहे लोगों पर खुद ही पैनी नजर रखे। इस समय आपको अपनी सुरक्षा किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए खुद करनी होगी।इस समय अगर देखा जाय तो पुलिस के पास इतना समय नहीं है कि वह आपके आसपास रह रहे संदिग्ध अवस्था में लोगों की भौगोलिक व आपराधिक स्थिति का पता लगा सके।कुछ वर्ष पहले पुलिस अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर किरायेदारों की सूची इकट्ठा कर उनकी भौगोलिक स्थिति व अपराधिक दशा को भी पता करते थे परंतु अब पुलिस के पास यह काम नहीं रह गया है।मालूम हो कि गुरुवार की सुबह एक भोजपुरी फिल्म का शूटिंग करने आई प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे के करीब बाइस से चौबीस लाख के बीच गहने,मोबाइल,फोन व नगद की चोरी होटल से हो गई थी।जिसे पुलिस ने चुनौती मानते हुये इस चोरी का खुलासा महज 24 घंटे के अंदर कर दिया।वहीं जहां एक तरफ पुलिस ने भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे के साथ हुए चोरी के सामान को बरामद किया वही इसमें शामिल पिता–पुत्र जो कि अब तमिलनाडु के बनाए जाते हैं उन्हें भी गिरफ्तार किया।मजे की बात तो यह है कि इस समय जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अति महत्वाकांक्षी शहरों में शुमार अयोध्या जनपद भी शामिल है।परंतु यहां सुरक्षा के नाम पर अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां पर कौन–कौन लोग संदिग्ध अवस्था में कब से रह रहे हैं इसका पता लगाने

की जहमत पुलिस नहीं उठा रही है।जिसके चलते आये दिन शहर के प्रमुख होटलों मकानों अन्य प्रतिष्ठानों में कोई न कोई आपराधिक गतिविधियां हो रही है।जो कि पुलिस के लिए खुली चुनौती है पुलिस को यह नहीं पता है कि हमारे क्षेत्र में कितने नागरिक किराएदार हैं और कितने नागरिक वहां के मूल निवासी हैं।इस संबंध में एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि अयोध्या एक धार्मिक स्थल है यहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में दूरदराज से लोग आते हैं।इनका सत्यापन कराना मुश्किल ही नहीं चुनौतीपूर्ण होगा।उन्होंने बताया कि इसके बावजूद भी पुलिस बीच–बीच में किरायेदारों व बाहर से आने वाले लोगों की सूची इकट्ठा कर उनके भौगोलिक स्थिति के बारे में पता करती है।कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि अब आम नागरिक को पुलिस के ऊपर न निर्भर रहकर अपने ऊपर निर्भर रहना होगा।

एमएनएनआईटी ने बनाई भारत की पहली मानव रहित कार : बीटेक छात्रों ने किया है तैयार

प्रयागराज ब्यूरो : मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) ने भारत की पहली मानव रहित कार बनाई है। इसे एमएनएनआईटी के बीटेक के छात्रों ने बनाया है। पहले चरण में परीक्षण सफल होने के बाद शनिवार को माइक्रोसाफ्ट एशिया के अध्यक्ष अहमद मजहरी के सामने इसका पहला डेमो होगा। बिना ड्राइवर के चलने वाली पहली मानव रहित कार के प्रोजेक्ट का पहला चरण दो साल की अथक मेहनत के बाद पूरा कर लिया गया है। प्रयोग के तौर पर गोल्फ कार्ट में इस कार के सिस्टम को फिट किया गया है। कोडिंग और प्रोग्रामिंग सफल होने के बाद फिलहाल इस कार को किसी भी सड़क पर सीधे चलने के लिए उतारा गया है। इस कार के आगे और पीछे कैमरा लगाया गया है। इससे यह कार बिना किसी मानव चालक के ही रास्ता देख कर स्वतः चल सकेगी। कार को सामने से आने वाली कोई भी गाड़ी, आदमी, भीड़, जानवर या फिर गड्ढा, कटान सब कुछ दिख जाएगा और किसी तरह का अवरोध होने पर वह अपने आप ब्रेक लेकर रुक जाएगी। इतना ही नहीं अवरोधक के हटने के साथ ही यह मानव रहित कार अपने गंतव्य के लिए रवाना भी हो जाएगी। वह सड़क दुर्घटना के हर कारणों को भांप सकेगी। फिलहाल यह कार अभी सीधे रास्ते पर ही चल सकेगी। महीने भर बाद दूसरा चरण पूरा होने पर वह किसी भी मोड़ या घुमावदार रास्ते पर चलने के साथ ही आगे पीछे

भी मुड़कर फर्राटा भर सकेगी। एमएनएनआईटी के प्रोफेसर समीर के निर्देशन में बीटेक छात्र विभांशु समेत सेकेंड ईयर, थर्ड ईयर और फाइनल ईयर के कुल 19 छात्रों ने मिलकर इस कार को तैयार किया है। एमएनएनआई के 1995 बैच के छात्र रहे आरआरडी गो क्रिएटिव के वाइस प्रेसीडेंट रोहित गर्ग के अलावा सड़क एवं परिवहन मंत्रालय नई दिल्ली में अधीक्षण अभियंता के पद पर तैनात राजेश कुमार ने इस मानव रहित कार के निर्माण के लिए मार्गदर्शन किया और फंडिंग भी की है। इस कार के निर्माण पर सात लाख रुपये की लागत आई है। अभी पहले चरण में देश की इस पहली मानव रहित कार का सफल परीक्षण किसी भी सीधे रास्ते पर चलाकर किया गया है। महीने भर बाद दूसरा चरण पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद कोडिंग के आधार पर यह कार किसी भी लोकेशन पर बिना किसी चालक के ही पहुंचने में सक्षम हो जाएगी। – राजेश कुमार, अधीक्षण अभियंता, पुरा छात्र एमएनएनआईटी 1995 बैच।

समाधान दिवस में एसएसपी ने आयी शिकायतो का निस्तारण करने के दिये निर्देश

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शनिवार को जहां एक ओर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में संबंधित सीओ व प्रभारी निरीक्षक के साथ साथ थानाध्यक्ष ने वहां पर मौजूद फरियादियों की समास्याओं को सुनकर उनका समाधान किया। वही इसी कड़ी में एसएसपी प्रशांत वर्मा ने थाना पूराकलंदर पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर जाकर वहां पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर समाधान किया।

वहीं पर उनके अलावा सीओ अयोध्या डाक्टर राजेश तिवारी के साथ साथ प्रभारी निरीक्षक के के मिश्रा व सभी चौकी प्रभारी व संबंधित विभाग के कर्मी मौजूद रहे।इस मौके पर एसएसपी प्रशांत वर्मा व सीओ अयोध्या डाक्टर राजेश तिवारी ने इस मौके पर मौजूद राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत–प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए जिन प्रार्थना पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है उन पर रिपोर्ट लगाकर सम्बंधित अधिकारी को प्रेषित करें जिससे समय से उचित निस्तारण कराया जा सके।

रोगियों की दवा बाजार में बेचने वालों पर सख्त होगी कार्यवाही : एक सप्ताह में जांच पूरी करने के निर्देश

लखनऊ ब्यूरो : किंग्स जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में मरीजों के हक की दवा बाजार में बेचने के मामले में जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मामले का संज्ञान लेते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केजीएमयू प्रशासन को निर्देश दिया है कि सप्ताहभर में मामले की जांच कर रिपोर्ट दी जाए। स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने दो दिन पहले केजीएमयू में हॉस्पिटल रिवाल्विंग फंड (एचआरएफ) से मिलने वाली सस्ती दवा के बाजार में बिक्री होने का खुलासा किया है। इस मामले में केजीएमयू व एसटीएफ जांच कर रही है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घटना पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि रोगियों को सस्ती दर पर दवाएं उपलब्ध कराने की कवायद चल रही है। सरकार गरीब मरीजों के हितों के लिए लगातार प्रयास कर रही है। चिकित्सालय के कुछ अधिकारी व कर्मचारियों की वजह से सरकार की मेहनत पर पानी फिर रहा है। चिकित्सालय की छवि भी गड़बड़ हो रही है। यह बेहद गंभीर मामला है। एक सप्ताह में पूरी करें जांच उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि मामले में संलिप्त अधिकारी व कर्मचारियों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केजीएमयू प्रशासन पूरे मामले की जांच एक सप्ताह में पूरी करे। विस्तृत रिपोर्ट भेजें। किन लोगों पर कार्रवाई की गई?

कार्रवाई के नाम पर क्या किया गया? यह भी अवगत कराया जाए। बाकी संस्थान भी अलर्ट रहें केजीएमयू के एचआरएफ में दवाओं की बाजार में बिक्री के बाद लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान व संजय गांधी पीजीआई भी खास एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी संस्थान निगरानी बढ़ाएं क्योंकि यह सुविधा गरीब रोगियों के लिए हैं। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ये कदम उठाने के दिए निर्देश – जिस पटल पर रुपये से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उनके कर्मचारियों का समय.समय पर पटल परिवर्तन करें। – ओपीडी व भर्ती मरीजों के पर्चे की अधिकारी ऑडिट करें। – ज्यादा बिकने वाले उत्पादों की निगरानी करें। – अचानक किसी उत्पाद की बिक्री बढ़े तो उसके कारणों का पता जरूर लगाएं। – सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं ताकि दवा बाहर ले जाने पर अंकुश लगाया जा सके।

क्रिकेटर यश दयाल के टीम से बाहर होने पर शहर वासियों में निराशा : अभी उम्मीदें बरकरार

प्रयागराज ब्यूरो : बांग्लादेश दौरे से संगमनगरी के क्रिकेटर यश दयाल के बाहर होने पर शहर के क्रिकेट प्रेमियों में निराशा है। हर किसी को उस वक्त का बेसब्री से इंतजार था कि मो. कैफ की तरह नीली जर्सी में यश दयाल को भी देखें लेकिन उसके टीम से बाहर हो जाने से खेल प्रेमियों के दिल टूट गए। हालांकि, शहरियों के साथ परिवारवालों को भी भरोसा है कि यश फिर से फिट होगा और भारतीय टीम में खेलने का उसका सपना साकार होगा। शुक्रवार को अमर उजाला से बातचीत में यश के पिता चंद्रपाल दयाल भावुक होते हुए कहा कि यह खबर सुनकर मायूसी जरूर हुई, लेकिन वह भी एक क्रिकेटर रहे हैं। इसलिए खिलाड़ियों की चोट और उनके इस माहौल से वाकिफ हैं। वह पिता के साथ–साथ यश के कोच भी रहे हैं, इसलिए भरोसा है कि वह आईपीएल में एक बार फिर अपने प्रदर्शन से लोगों के दिलों को जीतेगा। उन्होंने कहा कि जब से यश के टीम से बाहर होने की सूचना मिली है उनके परिचित फोन कर उनसे यश का हाल ले रहे हैं। मां राधा दयाल बोलीं उन्हें यह तो पता था कि यश को चोट लगी है, लेकिन वह टीम के साथ बंग्लादेश दौरे पर नहीं जा पाएगा इसका अंदाजा नहीं था। वह बचपन से ही क्रिकेट खेल रहा है, इसलिए हम सबका बस एक ही सपना है कि वह टीम इंडिया के लिए खेले। यश मजबूत है, जल्द ही फिट होकर वापसी करेगा और हमें उसी लम्हे का इंतजार है। बहन भी बहुत फिक्रमंद है। बोली जैसे ही यश के टीम से बाहर होने की सूचना मिली उस दिन खाया भी नहीं गया। यश ने खुद उनसे बात की तब जाकर वह सामान्य हुई। बड़े पिताजी अस्पताल में भर्ती उन्हें नहीं दी सूचना यश दयाल के बड़े पिताजी 72 वर्षीय प्रेमचंद्र दयाल वर्तमान समय में अस्पताल में भर्ती हैं, उनका आपरेशन होना है। अस्पताल में होने के बावजूद वह अपने वार्ड में टीवी से चिपके हुए हैं। वह चार दिसंबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और लगातार कहे जा रहे हैं कि चार दिसंबर को उनका बेटा यश भी नीली जर्सी में खेलेगा। हालांकि, यश के टीम से बाहर होने की सूचना उन्हें अबतक

नहीं दी गई है। नाना की थी सबसे बड़ी चाहत यश के परिवार के लोगों ने बताया कि यश को टीम इंडिया की जर्सी में देखने का सबसे बड़ा सपना उनके नाना मोतीलाल ने देखा था। वह खुद एक फुटबॉल खिलाड़ी थे, वह ही अपने साथ अपनी साइकिल पर यश को लेकर स्टेडियम तक जाया करते थे। उनका बस एक ही सपना था कि यश बड़ा होकर इंडिया टीम के लिए खेले। यश ने जब रणजी, मुश्ताक अली क्रिकेट खेला और आईपीएल के कैंप तक गया तो सबसे ज्यादा खुश वह ही दिखाई दिए। हालांकि यश के आईपीएल में खेलने से पहले ही जनवरी में उनका निधन हो गया। क्रिकेट प्रेमी डॉ. एसके राय का कहना है यश के खेल को देखने के लिए बेहद उत्साहित था, लेकिन यह मौका फिलहाल नहीं मिल पाया है। हालांकि पूरी उम्मीद है कि वह जल्द ही फिट होगा और टीम इंडिया के लिए खेलेगा। उसका आईपीएल में खेल वाकई लाजवाब था, मेरी शुभकामनाएं उसके साथ है। चंद्रपाल दयाल के दोस्त राजेश श्रीवास्तव का कहना है कि चयन के बाद से ही चार दिसंबर को बेसब्री से था। यश के पिता ऑफिस के साथी रहे हैं तो और भी ज्यादा लगाव है। उसकी चोट ने बुरी खबर जरूर दी है, लेकिन वह हिम्मत हारने वालों में से नहीं है, वह पूरे दमखम के साथ मैदान पर वापसी करेगा। यश के कोच कौशिक पाल और अमित पाल का कहना है कि तेज गेंदबाजों को अक्सर इस समस्या से जूझना पड़ता है। यश मजबूत खिलाड़ी है, वह इन हालातों को अच्छी तरह से समझता है। वह हर मैच को एक टास्क के रूप में लेकर खेलता है। वह दुगने जोश के साथ मैदान पर वापसी करेगा। यश के पास कमाल की स्विंग और पेस है। टीम इंडिया को ऐसे बॉलरों की जरूरत है। वह चोट से उबरेगा तो एक बार फिर टीम में वापसी करेगा और अपने शानदार प्रदर्शन से सबका दिल जीतेगा।

भू–माफियों को ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा करना पड़ा महंगा

सुल्तानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : योगी सरकार में जहां लगातार अपराधियो से अपराध से अर्जित संपत्तियों कुर्क करने का काम के साथ साथ जरूरत पड़ने पर उन बुलडोजर चलाने का काम कर रही है।वही भूमाफियों पर शिकंजा कसने से पीछे भी नही हट रही है।ताजा मामला जिले की बल्दीराय तहसील से निकल कर सामने आया है।जहां वर्षो

सरकारी अभिलेखों में दर्ज बंजर भूखण्ड पर भूमाफियों द्वारा कब्जा कर उस पर अवैध निर्माण कर लिया था।बीते वर्ष 2020 में कई बार जमीन को खाली करने की नोटिस मिलने के बाद भी शकुंतला देवी पत्नी राम मिलन निवासी बिहिनिदुरा परगना इसौली व पारसनाथ पुत्र दयाराम बिहिनिदुरा परगना इसौली ने जमीन को खाली नही किया।जानकारी शकुंतला देवी द्वारा गाटा संख्या 1691/0.117 हे. में स्तिथ जिसका 0.0240 हे. जमीन को कब्जा कर उस पर अवैध निर्माण कर लिया था।वही पारसनाथ पुत्र दयाराम ने गाटा संख्या 1687 ख 0.0480 हे व गाटा संख्या 1688/0.0630 हे० में स्थित जमीन में 0.0304हे. व 0.007 हे. जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया गया है।जबकि तहसीलदार बल्दीराय की कोर्ट ने शंकुतला देवी को आठ हजार एक सौ रुपये व पारसनाथ को सोलह हजार आठ सौ तीस रुपये का जुर्माना ठोकते हुए एक माह के अंदर ग्राम सभा की जमीन को खाली करने का अल्टीमेटम दिया है।वही एक माह के भीतर उक्त लोगो द्वारा जमीन खाली ना करने की दशा में लेखपाल को मय फोर्स जमीन खाली करवाने का आदेश भी जारी किया है।

नागरिक जब सांविधानिक कर्तव्यों का पालन करेंगे तभी होगा राष्ट्र निर्माण

अलीगढ़ ब्यूरो : भारत का संविधान न सिर्फ देश का सर्वोच्च कानून है, बल्कि यह एक ऐसा दस्तावेज है जो एक देश के तौर पर भारतीय गणराज्य के स्वरूप और लक्ष्य को भी निर्धारित करता है। देश के नागरिकों को संविधान ने बहुत से अधिकार दिए हैं लेकिन एक नागरिक के तौर पर हमें सांविधानिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी ध्यान देना होगा। तभी हम संविधान द्वारा इच्छित भारत का निर्माण कर सकते हैं। यह बात संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर तालानगरी स्थित अमर उजाला कार्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में कानून के जानकारों ने कही। एसवी कॉलेज के विधि के छात्र नितिन यादव ने कहा कि संविधान को समझने के लिए उसकी प्रस्तावना पढ़नी चाहिए। भारत का विजन और मिशन क्या है, यह प्रस्तावना में समाहित है। संविधान अगर घर है तो प्रस्तावना उसकी खिड़की, जिससे झांककर देखा जाता जा सकता है कि अंदर क्या–क्या है। विधि के छात्र सुशील कुमार गौतम ने कहा कि संविधान को बनाने में देश के बुद्धिजीवियों का बड़ा हाथ है। 284 लोगों ने मिलकर भारतीय संविधान बनाया। दुनिया में सबसे विस्तृत संविधान भारत है। विधि की छात्रा रितु ने कहा कि संविधान ने न केवल मौलिक अधिकार, बल्कि कर्तव्य भी दिए हैं। कर्तव्य को अगर आत्मसात कर लिया जाए तो बहुत कुछ समाज में बदला जा सकता है। समाज में कैसे उठा, बैठा और चला जाए। सब कर्तव्य में समाहित है। विधि की छात्रा वैशाली गुप्ता ने कहा कि छुआछूत को लेकर मानसिक सोच बदलने की जरूरत है। हालांकि, सोच में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। वेंडर जोन में पानी–पूरी, इडली डोसा आदि लगाने वाले से कोई उसकी जाति और धर्म नहीं पूछता। यही बदलाव है। विधि के छात्र अभिषेक ने कहा कि भारत को जोड़ने की जरूरत है, लेकिन कुछ युवा भटक रहे हैं। आपसी सौहार्द को मजबूत बनाना होगा। विधि के छात्र कृष्णा वर्मा ने हिजाब को लेकर कहा कि किसी भी संस्था में ड्रेस कोड होता है। उस ड्रेस कोड का पालन करना हर विद्यार्थी का दायित्व है। विधि की छात्रा प्रार्थना गौतम ने कहा कि हिजाब पहनना मुस्लिम छात्रा के लिए मजहबी तौर पर अनिवार्य हो सकता है, लेकिन शैक्षणिक संस्था में आने से पहले उन्हें संस्था के गेट या सीधे कॉमन रूप में जाकर हिजाब उतारकर ड्रेस में कक्षा में जाना चाहिए। शिक्षकों के बोल संविधान लागू होने के बाद भारतीय समाज में काफी बदलाव आए हैं। पहले खास काम एक खास जाति और समुदाय के लिए निर्धारित था, लेकिन अब बदल गया है। जूता हो या मिठाई की दुकान या ब्रांडेड कपड़े की एजेंसी सवर्ण लोग भी सहर्ष ले रहे हैं। –डॉ. सरोज कुमार, डीएस कॉलेज सेक्युलर होने का अर्थ कतई नहीं है कि धर्म विहीन भारत। देश को धर्म से अलग नहीं कर सकते। भारतीय समाज में धर्म अलग नहीं हो सकता है। सभी धर्मों का एक–दूसरे को सम्मान करना चाहिए। हर नागरिक में सद्भावना और सहिष्णुता होनी चाहिए। –मुदित शर्मा, डीएस कॉलेज नागरिकों को अपने अधिकारों की सीमा समझनी होगी। नागरिक की सीमा वहीं तक है, जहां किसी को परेशानी न हो। संविधान ने जो अधिकार दिए हैं, वह असीम नहीं है। नागरिकों को अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा। –प्रो. एमए खान, एसवी कॉलेज यूनिफॉर्म सिविल कोड किसी पर न थोपें, जागरूकता लाकर लागू करें एसवी कॉलेज के विधि विभाग के प्रोफेसर फरीद खान ने बताया कि यूनिफॉर्म सिविल कोड का निर्माण एक सांविधानिक दायित्व है। लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। पहले सभी नागरिकों में जागरूकता लाई जाए और उन्हें आश्वस्त किया जाए कि उनके धार्मिक अधिकार इससे प्रभावित नहीं होंगे। अगर विशेष विवाह अधिनियम –1954 को ही ठीक से लागू कर दिया जाए, तो उससे भी काफी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। हर धर्म, जाति के लोगों पर यह लागू हो और उसमें सभी को अपने रीति–रिवाजों के पालन करने की छूट हो। हकीकत यह है कि अभी यह घर से भागकर शादी करने वाले जोड़ों द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। भ्रांति दूर होनी चाहिए। इसके लिए समाज में जागरूकता की जरूरत है। कोई धर्म हो या कोई जाति का हो। अगर लड़के की उम्र 21 साल और 18 साल से ज्यादा लड़की की उम्र हो तो वह शादी कर ले, जब वह प्रमाण पत्र लाएगा, तो कोई सजा नहीं दे सकते है, क्योंकि कानून की नजर पति–पत्नी हैं।

निदेशक मनीष सिंह ने राष्ट्रीय संविधान दिवस के महत्व को समझाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। एस0के0डी0 एकेडमी की सभी शाखाओं में भारत का 73वाँ संविधान दिवस बड़ी धूम–धाम से मनाया गया। विद्यार्थियों ने चित्रकार्षक व्याख्यान और भाषण दिए साथ ही एक लघु नाटिका का भी मंचन किया। जिसमें उन्होनें संवैधानिक उपचारों के अधिकारों के बारे में सभी को बताया। राष्ट्रीय संविधान दिवस को राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में भी जाना जाता है। 26 नवंबर को हर साल भारत में संविधान दिवस मनाया जाता है। इस दिन 1949 में भारत की संविधान सभा ने औपचारिक रूप से भारत के संविधान को अपनाया जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। भारतीय संघ शासन ने वर्ष 2015 में 26 नवंबर को राष्ट्रीय संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया जिससे भारतीय नागरिकों में संवैधानिक मूल्यो का प्रचार प्रचार प्रसार हो सके। एस0के0डी0 एकेडमी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय संविधान दिवस के महत्व को घोषणापत्रों की सहायता से

समझाया जो कि न्याय, समानता, स्वतंत्रता, प्रस्तावना, शासन, अधिकार, कानून, और संसन के बारे में थे। एस0 के0 डी0 समूह के अध्यक्ष श्री एस. के. डी. सिंह जी एवं निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय संविधान दिवस के महत्व को समझाया। समारोह का समापन प्रतिज्ञा के साथ में हुआ जिसमें सभी ने यह प्रतिज्ञा ली की वे भारत के संविधान का पालन हमेंशा करेंगे।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।